Scholarly Research Journal for Humanity Science & English Language,
Online ISSN 2348-3083, SJ IMPACT FACTOR 2021: 7.278,
http://www.srjis.com/issues_data?issueId=211
PEER REVIEWED & REFEREED JOURNAL, APRIL-MAY 2023, VOL-11/57
https://doi.org/10.5281/zenodo.8068851

ऑनलाइन शैक्षिक तकनीकी संसाधन आधारित हिंदी शिक्षण विधि की माध्यमिक स्तर के हिंदीतर भाषा-भाषी विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभावशीलता

चंद्रकांत कोठे & प्रो. गजानन गुल्हाने, Ph.D.
शोध छात्र, स्नातकोत्तर शिक्षा विभाग, संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय, अमरावती, भारत
ई मेल : *kothe2009@gmail.com*
प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, स्नातकोत्तर शिक्षा विभाग, संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय, अमरावती, भारत **ई मेल :** *glgulhane@gmail.com*

Paper Received On: 21 May 2023
Peer Reviewed On: 27 May 2023
Published On: 1 June 2023

Abstract

हम एक दूसरे के साथ कैसे संवाद करते हैं, हम जानकारी तक कैसे पहुँचते हैं, हम जानकारी को कैसे साझा करते हैं और कैसे हम इस जानकारी को अर्थवान बनाते हैं आदि में ऑनलाइन शिक्षा ने महत्वपूर्ण बदलाव लाया है। सॉफ्टवेयर और तकनीक दिन ब दिन बहुत तेजी से बदल रही हैं, और इन बदलावों के साथ बने रहना मुश्किल हो रहा है। इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि तकनीक के बजाय ऑनलाइन शिक्षण के लिए प्रभावी शिक्षाशास्त्रीय रणनीतियों को समझने पर ध्यान दिया जाए। इसी दिशा में शोधकर्ता द्वारा "ऑनलाइन शैक्षिक तकनीकी संसाधन आधारित हिंदी शिक्षण विधि की हिंदीतर भाषा-भाषी माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभावशीलता का अध्ययन" के माध्यम से शोध कार्य करने का प्रयास किया गया है। इस अध्ययन के लिए प्रायोगिक विधि का प्रयोग किया गया। हिंदी विषय में छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर ऑनलाइन और पारंपरिक शिक्षण विधि के प्रभाव की तुलना करने के लिए समतुल्य समूह तैयार किए गए। इस अध्ययन में अमरावती जिले के माध्यमिक विद्यालयों के 160 हिंदीतर भाषा-भाषी विद्यार्थियों का उद्देश्यपूर्ण चयन किया गया। हिंदी विषय में विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि को मापने के लिए एक अलग उपलब्धि परीक्षण विकसित किया गया था और विद्यालयों के प्रमुख के लिए एक साक्षात्कार अनुसूची बनाई गई थी। अध्ययन से पता चलता है कि हिंदी विषय के लिए पारंपरिक हिंदी शिक्षण विधि की तुलना में ऑनलाइन शैक्षिक तकनीकी संसाधन आधारित हिंदी शिक्षण विधि के माध्यम से शिक्षण अधिक प्रभावी है।

Copyright@2023 Scholarly Research Journal for Humanity Science & English Language

महत्वपूर्ण शब्द : ऑनलाइन शैक्षिक तकनीकी संसाधन आधारित हिंदी शिक्षण विधि

Scholarly Research Journal's is licensed Based on a work at www.srjis.com

➢ **प्रस्तावना :**

सूचना एवं संप्रेषण तकनीकी (आईसीटी) हमारे जीवन का आवश्यक अंग बन गया है। पिछले छत्तीस वर्षों में, आईसीटी के उपयोग ने बैंकिंग, पर्यटन, शेयर बाजार, इंजीनियरिंग, व्यवसाय और डाकघर के क्षेत्र में कम करने के तरीकों और प्रक्रियाओं को मौलिक रूप से बदल दिया है। शिक्षण के क्षेत्र में अन्य क्षेत्रों की अपेक्षा कम परिवर्तन हुआ है। आईसीटी वैश्विक अर्थव्यवस्था को आकार देने और समाज में तेजी से बदलाव लाने वाले प्रमुख समकालीन कारकों में से एक हैं। आजकल, शिक्षण भारत में सबसे चुनौतीपूर्ण व्यवसायों में से एक बनता जा रहा है जहाँ ज्ञान का तेजी से विस्तार हो रहा है और इसका अधिकांश हिस्सा विद्यार्थियों के साथ-साथ शिक्षकों के लिए भी किसी भी समय और कहीं पर भी उपलब्ध है।

*** ऑनलाइन शिक्षा :**

ऑनलाइन शिक्षा का तात्पर्य इंटरनेट और अन्य संचार साधनों की सहायता से अपने स्थान पर प्राप्त शिक्षा से है। ऑनलाइन शिक्षा के विभिन्न रूप हैं जिनमें वेब आधारित शिक्षा, मोबाइल आधारित शिक्षा या कंप्यूटर आधारित शिक्षा और आभासी कक्षा आदि शामिल हैं। कई साल पहले जब ऑनलाइन शिक्षा की अवधारणा आई थी, तब दुनिया इसके प्रति उतनी सहज नहीं थी, लेकिन समय के साथ ऑनलाइन शिक्षा ने संपूर्ण शिक्षा व्यवस्था में अपना स्थान बना लिया है। ऑनलाइन शिक्षा में अपने स्थान या घर बैठे इंटरनेट व अन्य संचार माध्यमों (स्काइप, व्हाट्सएप, गूगल मीट, आभासी कक्षारूम एवं जूम वीडियो कॉल इत्यादि) द्वारा देश के किसी भी कोने या प्रांत से विद्यार्थी पढ़ सकते हैं।

*** ऑनलाइन शिक्षा की विशेषताएँ :**

ऑनलाइन शिक्षा की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि छात्र अपनी सुविधा के अनुसार कभी भी और कहीं भी अपना शैक्षिक कार्य कर सकते हैं, अर्थात इस शिक्षा प्रणाली में समय और स्थान का कोई बंधन नहीं है। ऑनलाइन शिक्षा की विशेषताएँ, इस प्रकार हैं -

1. ऑनलाइन शिक्षा में कहीं से भी दी जाने वाली शिक्षा को विद्यार्थी अपनी आवश्यकतानुसार हासिल कर लेते हैं। ऑनलाइन शिक्षा की वजह से विद्यार्थियों को कहीं जाना नहीं पड़ता, इससे यात्रा और समय की बचत होती है तथा अपनी सुविधानुसार विद्यार्थी समय का चुनाव कर ऑनलाइन कक्षाओं में शामिल हो जाते हैं।

2. ऑनलाइन शिक्षा में विद्यार्थी ऑनलाइन कक्षा को रिकॉर्ड कर सकते हैं। यदि कोई जटिल अवधारणा विद्यार्थियों को समझ में नहीं आती है तो वे रिकॉर्डिंग को पुनः सुन सकते हैं। इसके बाद भी कोई शंका हो तो शिक्षक से अगली कक्षा में पुछ सकते हैं। इससे कठिन से कठिन अवधारणा अच्छी तरह से समझ में आ जाती है।

3. ऑनलाइन शिक्षा के माध्यम से पढ़ाई करना काफ़ी हद तक कम लागत वाला हो सकता है। क्योंकि विद्यार्थियों को पुस्तकें या किसी दूसरी अध्ययन सामग्री पर धन खर्च नहीं करना पड़ता है।

4. सामाजिक, सांस्कृतिक और अन्य कारणों से यदि लड़कियाँ अपनी औपचारिक शिक्षा पूरी नहीं कर पा रही हैं तो घर से ऑनलाइन सीखना लड़कियों को शिक्षा प्राप्त करने के लिए दरवाज़े खोलता है। इसका लाभ कोई भी व्यक्ति मोबाइल आदि उपकरण की सहायता से इंटरनेट के माध्यम से कहीं भी ले सकता है।

5. औपचारिक माध्यम से अध्ययन की तुलना में ऑनलाइन अध्ययन करने वाले विद्यार्थी विभिन्न विशेषज्ञों से विस्तृत ज्ञान प्राप्त कर पाते हैं। लेकिन ऑनलाइन शिक्षण ऑनलाइन विषय–वस्तु, उसके प्रस्तुतीकरण एवं इंटरनेट पर पूर्णतः निर्भर है।

6. इक्कीसवीं सदी में शिक्षार्थियों के अनुशासन, पेशे या करियर में आवश्यक डिजिटल साक्षरता कौशल की मौजदगी को सुनिश्चित करने के लिए ई-शिक्षा इंटरनेट और कंप्यूटर कौशल का ज्ञान विकसित करती है, जो विद्यार्थियों को अपने जीवन और करियर के क्षेत्र में आगे बढ़ने में मदद करेगी।

*** वर्तमान शिक्षा प्रणाली में ऑनलाइन शिक्षा क्यों ? :**

वर्तमान परिवेश में हिंदी शिक्षण को तकनीकी माध्यम से जोड़ना नितांत आवश्यक है। यदि हिंदी शिक्षण को वर्तमान तकनीकी जगत से अद्यतन रखना है तो यह आवश्यक है कि हिंदी शिक्षण के लिए डिजिटल माध्यमों का प्रयोग किया जाए। डिजिटल माध्यम यानि कंप्यूटर और स्मार्ट मोबाइल। आज मानव जीवन के सभी क्षेत्रों में कंप्यूटर की भूमिका अनिवार्य हो गई है। शिक्षण-प्रशिक्षण भी इससे अछूता नहीं है। अतः हिंदी शिक्षण में कंप्यूटर, मोबाइल एवं इंटरनेट का प्रयोग आवश्यक है। वर्तमान समय में मोबाइल केवल संचार का माध्यम ही नहीं अपितु हमारे हाथ में रहकर मिनी कंप्यूटर के रूप में कंप्यूटर द्वारा किये जाने वाले अनेक कार्यों को पूर्ण कर रहा है। इसलिए सामान्य संचार के लिए प्रयुक्त मोबाइल फोनों से अलग इन्हें स्मार्टफोन कहा जाता है। हिंदी शिक्षा को जन-जन तक पहुँचाने के लिए मोबाइल और स्मार्टफोन प्लेटफार्म का अधिकाधिक प्रयोग किया जाना आवश्यक है। हिंदी शिक्षण सामग्री ऑनलाइन और ऑफलाइन

दोनों माध्यमों से पहुँचाई जा सकती है। ऑनलाइन का मतलब इंटरनेट की मदद से कंटेंट मुहैया कराने से है और ऑफलाइन के लिए इंटरनेट होना जरूरी नहीं है। हिंदी शिक्षण के लिए कंप्यूटर और मोबाइल दोनों प्रकार के डिजिटल माध्यमों का उपयोग अनिवार्य है।

- **शोध से संबंधित साहित्य की समीक्षा :**

शोधकर्ता ने कुछ बिंदुओं को नोट करने का प्रयास किया है जो कि शोध अध्ययन से संबंधित पिछले साहित्य के अध्ययन और उसके सैद्धांतिक अवलोकन के लिए प्रासंगिक हैं।

रैफिडेली ई. (2009) ने उच्च माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के बीच बुनियादी कंप्यूटर ज्ञान की पहचान करने और उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों द्वारा संसाधनों के उपयोग के इरादे को जानने के उद्देश्य से कंप्यूटर आधारित तकनीक और इसकी शैक्षणिक उपयोगिता का अध्ययन किया। उन्होंने पाया कि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के अधिकांश शिक्षकों को कंप्यूटर का बुनियादी ज्ञान है और अधिकांश शिक्षक शैक्षिक उद्देश्यों के लिए कंप्यूटर का उपयोग करते हैं। गुप्ता, ज्योति रानी (2016) ने "हिंदी शिक्षण अधिगम के लिए इंटरनेट पर उपलब्ध संसाधनों का अध्ययन एवं संदर्शिका का निर्माण" किया है, जिसके उद्देश्य - (1) इंटरनेट पर उपलब्ध हिंदी विषय के वेब संसाधनों से मुक्त वेबसाइट्स की पहचान करना। (2) इंटरनेट पर उपलब्ध हिंदी विषयी वेब संसाधनों को विभिन्न स्नातक स्तर, हिंदी की विभिन्न शाखाओं, भाषा, उपयोगिता, मल्टीमीडिया एवं लागत के आधार पर वर्गीकरण करना थे। उन्होंने पाया कि इंटरनेट पर हिंदी संसाधनों से युक्त वेब संसाधन पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। इंटरनेट पर उपलब्ध हिंदी विषयी वेब संसाधनों को विभिन्न स्नातक स्तर, हिंदी की विभिन्न शाखाओं, भाषा, उपयोगिता, मल्टीमीडिया, लागत, वेब संसाधनों की गुणवत्ता, संवाद सुलभता एवं वेब पेजों के प्रकार के आधार पर पहचाना जा सकता है। अग्रवाल, ऋचा (2017) ने सूचना संप्रेषण तकनीकी आधारित संस्कृत शिक्षण विधि का माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि, रुचि तथा सक्रियता पर प्रभाव अध्ययन किया और इस अध्ययन के परिणामस्वरुप पाया कि परंपरागत उपागम की अपेक्षा सूचना एवं संप्रेषण तकनीकी के प्रयोग से संस्कृत शिक्षण में छात्राओं की उपलब्धि, रुचि एवं सक्रियता पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

संबंधित शोध अध्ययनों की समीक्षा से यह देखा गया है कि **अ**धिकांश शोध अध्ययन कम्प्यूटर अनुदेशन और सूचना एवं संप्रेषण तकनीकी के क्षेत्र में हुए हैं। इसके अलावा, अंग्रेजी शिक्षण, संस्कृत शिक्षण तथा शिक्षक शिक्षा के क्षेत्र में भी कार्य की प्रभावशीलता की जाँच से संबंधित शोध कार्य किए गए हैं। अधिकांश शोध कार्य कम्प्यूटर के सकारात्मक प्रभाव के साक्षी है। यह भी देखा गया है कि अमरावती में "ऑनलाइन शैक्षिक तकनीकी संसाधन-आधारित हिंदी शिक्षण

विधि की हिंदीतर भाषा-भाषी माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की हिंदी विषय में उपलब्धि पर प्रभावशीलता का अध्ययन" किसी भी शोधकर्ता ने नहीं किया है।

- **शोध प्रश्न :**

संबंधित साहित्य की उपरोक्त संक्षिप्त समीक्षा एवं शिक्षण अनुभव के आधार पर शोधार्थी के मस्तिष्क में कुछ स्वाभाविक जिज्ञासाएँ एव प्रश्न उत्पन्न हुए जो ऑनलाइन शैक्षिक तकनीकी संसाधन आधारित हिंदी शिक्षण विधि की हिंदीतर भाषा-भाषी विद्यार्थियों के हिंदी विषय की उपलब्धि पर प्रभावशीलता संबंधी शोध समस्या के चयन का आधार बने। यह जिज्ञासाएँ एवं शोध प्रश्न निम्नानुसार हैं -

1. सरकार द्वारा अपनाई गई विभिन्न रणनीतियों और बड़े निवेश के बावजूद हिंदीतर भाषा-भाषी विद्यार्थियों की हिंदी विषय की उपलब्धि में क्यों सुधार नहीं हुआ है?
2. क्या ऑनलाइन शैक्षिक तकनीकी संसाधन आधारित शिक्षण विधि से हिंदी शिक्षण को प्रभावी बनाया जा सकता है?
3. क्या ऑनलाइन शैक्षिक तकनीकी संसाधन आधारित शिक्षण विधि की सहायता से हिंदीतर भाषा-भाषी विद्यार्थियों का हिंदी उपलब्धि स्तर बढ़ाया जा सकता है?
4. क्या ऑनलाइन शैक्षिक तकनीकी संसाधन आधारित शिक्षण विधि अन्य परंपरागत प्रचलित विधियों से प्रभावी हैं?
5. क्या ऑनलाइन शैक्षिक तकनीकी संसाधन आधारित हिंदी शिक्षण विधि के प्रति प्रधानाध्यापकों की सोच में सकारात्मक रूप से बदलाव लाया जा सकता हैं?

उपरोक्त सभी प्रश्नों का उत्तर प्राप्त करने के प्रयास में शोधार्थी ने ऑनलाइन शैक्षिक तकनीकी संसाधन आधारित हिंदी शिक्षण विधि की प्रभावशीलता को अपनी शोध समस्या के रूप में चयनित किया है।

- **शोध अध्ययन के उद्देश्य :**

शोध अध्ययन निम्नलिखित उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए किया गया था :

1. ऑनलाइन शैक्षिक तकनीकी संसाधन आधारित हिंदी शिक्षण सामग्री का नौवीं कक्षा के हिंदीतर भाषा-भाषी विद्यार्थियों के लिए विकास करना।
2. ऑनलाइन शैक्षिक तकनीकी संसाधन आधारित हिंदी शिक्षण विधि की हिंदीतर भाषा-भाषी विद्यार्थियों की हिंदी विषय में उपलब्धि पर प्रभावशीलता का अध्ययन करना।
3. ऑनलाइन शैक्षिक तकनीकी संसाधन आधारित हिंदी शिक्षण विधि के प्रति प्रधानाध्यापकों के विचार जानना।

➢ **शोध अध्ययन की परिकल्पना :**

शोध अध्ययन के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित **शून्य परिकल्पना** का निर्माण किया गया है -

H_O: ऑनलाइन शैक्षिक तकनीकी संसाधन आधारित हिंदी शिक्षण विधि का हिंदीतर भाषा-भाषी विद्यार्थियों की हिंदी विषय में उपलब्धि पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं है।

➢ **अध्ययन की सीमा :**

यह अध्ययन महाराष्ट्र के अमरावती जिले में हिंदीतर भाषा-भाषी विद्यार्थियों और माध्यमिक स्तर के विद्यालयों के प्रमुखों तक सीमित था। साथ ही, यह अध्ययन स्थानीय भाषा और संस्कृति तक ही सीमित था। प्रस्तुत शोध कार्य महाराष्ट्र राज्य के अमरावती जिले के महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा मान्यता प्राप्त मराठी और सेमी मराठी माध्यम वाले माध्यमिक विद्यालयों तक ही सीमित था।

➢ **अध्ययन की प्रविधि :**

इस अध्ययन के लिए प्रायोगिक विधि का प्रयोग किया गया था। हिंदी विषय में विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर ऑनलाइन और पारंपरिक शिक्षण विधि के प्रभाव की तुलना करने के लिए समतुल्य समूह डिज़ाइन (Equivalent Group Design) का उपयोग किया गया था। अमरावती संभाग (डिवीजन) महाराष्ट्र के प्रमुख प्रशासनिक संभागों में से एक है जिसमें पाँच जिले अकोला, अमरावती, बुलढाणा, यवतमाल और वाशिम शामिल हैं। इस अध्ययन के न्यादर्श के लिए अमरावती जिले के मराठी और सेमी मराठी माध्यम वाले माध्यमिक विद्यालय के कक्षा 9 (नौवीं) के 160 हिंदीतर भाषा-भाषी (मराठी मातृभाषा वाले) विद्यार्थियों (80 लड़के और 80 लड़कियों) का उद्देश्यपूर्ण रूप से चयन किया गया था। इसके पश्चात हिंदी विषय के लिए पूर्व उपलब्धि परीक्षण के आधार पर दो समतुल्य समूह बनाये गए थे। विद्यार्थियों के प्रायोगिक समूह को ऑनलाइन शिक्षण विधि से और नियंत्रित समूह को पारंपरिक शिक्षण विधि से पढ़ाया गया था। पढ़ाने के बाद हिंदी विषय के लिए पश्च उपलब्धि परीक्षण दोनों समूह पर प्रशासित कर प्रदतों का संग्रह किया गया था। प्रधानाध्यापकों से प्रदतों के संग्रहण हेतु अमरावती जिले के मराठी और सेमी मराठी माध्यम वाले माध्यमिक विद्यालयों के 100 प्रधानाध्यापकों का चयन उद्देश्यपूर्ण न्यादर्श चयन विधि के माध्यम से किया गया था तथा साक्षात्कार हेतु साक्षात्कार अनुसूची का निर्माण किया गया था।

➢ **प्रदतों का विश्लेषण और विवेचन :**

वर्तमान प्रदतों का विश्लेषण अनुमानात्मक सांख्यिकीय तकनीकों और प्रतिशत का उपयोग करके किया गया था। ऑनलाइन शैक्षिक तकनीकी संसाधन आधारित हिंदी शिक्षण विधि का माध्यमिक स्तर के हिंदीतर भाषा-भाषी विद्यार्थियों की हिंदी विषय में उपलब्धि पर प्रभावशीलता संबंधी अध्ययन के लिए कार्य क्षेत्र से प्राप्त प्रदतों का विश्लेषण निम्नलिखित तालिका में यथोचित रूप से प्रस्तुत किया गया है।

तालिका

नियंत्रित और प्रायोगिक समूह के विद्यार्थियों के हिंदी विषय के पश्च उपलब्धि परीक्षण में माध्य अंतर

समूह	लड़के एवं लड़कियाँ N	माध्य (Mean) M	मानक विचलन (Standard Deviation) SD	मानक त्रुटि (Standard Error) SE	प्राप्त टी मूल्य (Obtained t Value)	सार्थकता स्तर (Level of Significance) **0.01**
नियंत्रित समूह	80	18.87	3.98	0.172	**2.90**	**सार्थक (Significant)**
प्रायोगिक समूह	80	**19.37**	4.27			

संदर्भ: उपरोक्त तालिका में प्रस्तुत तथ्य और आँकड़े क्षेत्र (field) से एकत्र किए गए प्रदतों पर आधारित हैं; यदि df = 158 है तो 0.05 और 0.01 के सार्थकता स्तर पर तालिका टी मूल्य (table t-value) क्रमशः 1.97 और 2.58 हैं और r = 0.245 हैं।

उपरोक्त तालिका के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि, प्रायोगिक समूह द्वारा हिंदी विषय के पश्च-परीक्षण में प्राप्त माध्य प्राप्तांक (mean score) 19.37 है जो नियंत्रित समूह द्वारा प्राप्त माध्य प्राप्तांक 18.87 से अधिक है। अतः हिंदी विषय के पश्च-परीक्षण में प्रायोगिक समूह के विद्यार्थियों ने नियंत्रित समूह की तुलना में अधिक प्रगति दिखाई है। इसके अतिरिक्त, इस तालिका के अनुसार प्राप्त टी मूल्य (obtained t-value) 2.90 है जो 0.01 स्तर पर तालिका टी मूल्य (table t-value) 2.58 से अधिक है जो यह बताता है कि इस तुलना में माध्य अंतर (mean difference) सार्थक है। इसलिए, प्रायोगिक समूह और नियंत्रित समूह के विद्यार्थियों के हिंदी विषय के लिए पश्च उपलब्धि परीक्षण माध्य प्राप्तांक (mean score) के बीच सांख्यिकीय रूप से सार्थक अंतर मौजूद है। अतः शून्य परिकल्पना (H_O) को 0.01 सार्थकता स्तर पर अस्वीकृत

(Rejected) किया जाता है। इस प्रकार यह प्रकट होता है कि हिंदी विषय के लिए पारंपरिक हिंदी शिक्षण विधि की तुलना में ऑनलाइन शैक्षिक तकनीकी संसाधन आधारित हिंदी शिक्षण विधि के माध्यम से शिक्षण अधिक प्रभावी है।

- **परिणाम :**

शोध क्षेत्र से प्राप्त प्रदतों (फील्ड डेटा) के विश्लेषण और अर्थ निर्वचन के आधार पर और प्रधानाध्यापकों के साक्षात्कार के लिए निर्धारित साक्षात्कार अनुसूची के विश्लेषण के आधार पर, निम्नलिखित निष्कर्ष प्राप्त होते हैं :

1) हिंदी विषय के लिए पारंपरिक हिंदी शिक्षण विधि की तुलना में ऑनलाइन शैक्षिक तकनीकी संसाधन आधारित हिंदी शिक्षण विधि के माध्यम से शिक्षण अधिक प्रभावी है।

2) 46% प्रधानाध्यापकों ने कहा कि विद्यालय प्रबंधन समिति नई ऑनलाइन शिक्षण विधि से संबंधित संसाधन प्रदान कर रही है, जैसे- कंप्यूटर, विद्यार्थियों के लिए टैबलेट, लैपटॉप, डिजिटल बोर्ड, डिजिटल कक्षा, डिजिटल कैमरा, एलईडी टेलीविजन, एलसीडी प्रोजेक्टर, इंटरनेट सुविधा, स्लाइड, पेन ड्राइव, प्रिंटर, ज़ेरॉक्स मशीन, ओवर-हेड प्रोजेक्टर, सीसीटीवी कैमरे आदि।

3) 49% प्रधानाध्यापकों ने उत्तर दिया है कि उनके विद्यालय में ऑनलाइन अध्यापन विधि के लिए आवश्यक तकनीकों का उपयोग करने हेतु अध्यापकों के प्रशिक्षण की व्यवस्था है। सभी प्रधानाध्यापकों का कहना है कि प्रशिक्षण सतत चलते रहने की आवश्यकता है।

4) अधिकांश प्रधानाध्यापकों की राय है कि ऑनलाइन शिक्षण विधि भाषा, साहित्य और व्याकरण (मराठी, हिंदी, संस्कृत और अँग्रेजी), सामाजिक विज्ञान (इतिहास, भूगोल और नागरिक शास्त्र), विज्ञान और गणित के अधिगम (सीखने) के लिए उपयुक्त हैं क्योंकि इसमें स्थान, समय आदि का बंधन नहीं हैं।

5) सर्वाधिक 94% प्रधानाध्यापकों का मानना है कि ऑनलाइन अध्यापन विधि हिंदीतर भाषा-भाषी (मराठी माध्यम वाले) विद्यार्थियों के <u>हिंदी भाषा कौशलों</u> के विकास में लाभकारी क्योंकि उनका मानना है कि ऑनलाइन अध्यापन में विभिन्न प्रकार के डिजिटल पाठों (ई-कंटेंट/ई- विषयवस्तु) में चित्र, वीडियो, आडियो आदि के माध्यम से पढ़ाने पर हिंदीतर भाषा-भाषी विद्यार्थियों के हिंदी <u>भाषाई कौशलों</u> का विकास बेहतर होता हैं। उनकी उच्चारण एवं मौखिक अभिव्यक्ति की क्षमता विकसित होती है।

- **निष्कर्ष :** शिक्षण-अधिगम वातावरण और माध्यमिक विद्यालयों के पूरे परिसर को डिजिटाइज़ करने के लिए प्रभावी उपाय करने की आवश्यकता है जिससे कि विशेष रूप से हिंदी विषय के लिए ऑनलाइन शैक्षिक तकनीकी संसाधन आधारित शिक्षण विधि के उपयोग को प्रोत्साहित किया जा सके।

संदर्भ :

अहमद, वसीम और अनिल कुमार (जुलाई, 2020). कोरोना महामारी में ऑनलाइन शिक्षा की भूमिका, चुनौतियाँ और भविष्य एक विश्लेषणात्मक अध्ययन. भारतीय आधुनिक शिक्षा, नई दिल्ली : राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, वर्ष 41, अंक 1.

Best, John W.; Kahn, James V. and Jha Arbind K. (2017). Research in Education, Tenth Edition, Noida : Pearson India Education Services Pvt. Ltd.

दुबे, अनुज; लवानिया, एस. के. (डॉ.) तथा शर्मा, श्रीमती सुलेखा (2016). सूचना तथा संप्रेषण तकनीकी का समालोचनात्मक बोध, आगरा : राखी प्रकाशन मंदिर प्रा. लि..

डंगवाल, किरण लता (डॉ) तथा वर्मा, सुमन (डॉ) (2017). सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी (द्वितीय संस्करण). आगरा : राखी प्रकाशन प्रा. लि..

Garrett, Henry E. and Woodworth, R. S. (1981). Statistics in Psychology and Education. Bombay : Mrs. A. F. Shaikh for Vakils, Pfeiffer & Simmons Ltd.

Gupta, Deepty (2019). Competency of Teacher Educators and Student Teachers towards E-Learning Tools. Research Gate, September 2009.

Gulhane, Gajanan L. (Dr.) (2013). Research and Statistics, Meerut : Anu Books.

जोशी, अनुराधा (डॉ) तथा जोशी, कामाक्षी (डॉ) (2002). शैक्षिक तकनीकी: स्वअध्ययन सामग्री (प्रथम संस्करण). लखनऊ : वेदांत पब्लिकेशन्स.

Koul, Lokesh (2004). Methodology of Educational Research. Third Revised Edition, New Delhi : Vikas Publishing House Pvt. Ltd.

Kothari, C. R. and Garg, Gaurav (2019). Research Methodology : Methods and Techniques. Fourth Multi Colour Edition, New Delhi : New Age International (P) Ltd. Publishers.

Mukhopadhyay, Marmar (2022). Educational Technology for Teachers (Technology Integrated Education). First Edition, Delhi : Shipra Publications.

वेबसाइट :

1) https://www.irrodl.org/index.php/irrodl
2) http://wiki.answers.com
3) www.rrjournals.com
4) www.ess.inflibnet.ac.in
5) www.shodhganga.inflibnet.ac.in
6) www.shodhgangotri.inflibnet.ac.in

Cite Your Article As:
चंद्रकांत कोठे, & . गजानन गुल्हाने. (2023). ऑनलाइन शैक्षिक तकनीकी संसाधन आधारित हिंदी शिक्षण विधि की माध्यमिक स्तर के हिंदीतर भाषा-भाषी विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभावशीलता. Scholarly Research Journal for Humanity Science & English Language,, 11(57), 199–208. https://doi.org/10.5281/zenodo.8068851

Copyright@2023 Scholarly Research Journal for Humanity Science & English Language